भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

DAINIK BHASKAR JAIPUR 9 APRIL 2026

एयरपोर्ट के 5 किमी दायरे में लेजर लाइट पर प्रतिबंध

जयपुर| कमिश्नरेट पुलिस ने बुधवार को एयरपोर्ट के 5 किमी के दायरे में लेजर लाइट पर प्रतिबंध लगा दिया। इस संबंध में एडिशनल कमिश्नर डॉ. राजीव पचार ने आदेश जारी किए हैं। इसमें बताया कि एयरपोर्ट के आस-पास के क्षेत्र में मैरिज गार्डन, होटल और क्लबों में होने वाले कार्यक्रमों में लेजर लाइट्स या अन्य तीव्र प्रकाश वाली लाइट काम में लेते हैं। इनकी रोशनी आसमान में काफी ऊंचाई और दूर तक जाती है। इससे विमानों के संचालन में परेशानी होती है। ऐसे में 5 किमी के दायरे में इस पर प्रतिबंध लगाया है। ये आदेश 7 जून तक लागू रहेगा। बता दें कि इस दायरे में 10 क्लब-होटल व 20 मैरिज गार्डन आते हैं।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

DAINIK NAVJYOTI JAIPUR 9 APRIL 2026

हवाई अड्डों पर लैंडिंग एवं पार्किंग शुल्क घटाने का आदेश

एजेंसी/नई दिल्ली। सरकार ने विमान सेवा कंपनियों को बड़ी राहत देते हुए भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण द्वारा संचालित बड़े हवाई अड्डों से इतर सभी एयरपोर्ट पर लैंडिंग एवं पार्किंग शुल्क में 25 प्रतिशत की कटौती का आदेश दिया है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय द्वारा जारी आदेश में कहा गया है पश्चिम एशिया में जारी संकट के मद्देनजर यह फैसला किया गया है ताकि विमान सेवा कंपनियों की बढ़ती लागत के कारण टिकट की कीमतों में तेज वृद्धि को नियंत्रित किया जा सके। सभी घरेलू उड़ानों के लिए जारी यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है। तीन महीने की अवधि समाप्त होने से पहले इस आदेश की समीक्षा की जाएगी।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

HARI BHUMI DELHI 11 APRIL 2026

399 करोड़ खर्च कर होगा रीवा एयरपोर्ट का विस्तार

एयरबस-320 उतरने लायक बनेगा रीवा एयरपोर्ट रनवे होगा 2600 मीटर, रात में भी उतर सकेंगे प्लेन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मप्र सरकार रीवा एयरपोर्ट का विस्तार करने जा रही है। अभी रीवा एयरपोर्ट का रनवे महज 1800 मीटर है। यह एयरपोर्ट अभी भी बड़े विमान और रात्रि लैंडिंग के लायक नहीं है। अब एयरपोर्ट पर 320 सीटर तक का विमान रनवे पर उतारने के लिए 399 करोड़ रुपए की राशि खर्च कर इसका विस्तार किया जाएगा। इसके बाद रनवे की लंबाई 2600 मीटर हो जाएगी। रात के समय भी विमान उतर सकेगा। आसपास के 200 किमी की परिधि वाले जिलों तथा उप्र के प्रयागराज व मिर्जापुर जिले के साथ ही अन्य जिलों के लोगों को सहूलियत मिलेगी। इस आशय का प्रस्ताव मप्र के विमानन विभाग ने तैयार किया है।

अभी रीवा एयरपोर्ट का रनवे महज 1800 मीटर

वर्तमान में रीवा से दिल्ली, इंदौर, रायपुर के लिए उड़ानें

दरअसल, मौजूदा समय में रीवा एयरपोर्ट का विस्तार के बाद भी यहां 72 एटीआर विमान रनवे पर उतरने लायक ही है, लेकिन बड़े विमान और रात्रि लैंडिंग की व्यवस्था नहीं है। इस समय रीवा एयरपोर्ट से मप्र सरकार की विमान नीति के तहत रीवा से दिल्ली सप्ताह में तीन दिन एलाइंस कंपनी (एयर इंडिया) की फ्लाइट मिलती है, जबकि इंडिगो की रीवा से इंदौर के लिए सप्ताह में 7 दिन और रीवा से रायपुर के लिए हफ्ते में तीन दिन हवाई सेवा चल रही है। अब एयरपोर्ट का रनवे बढ़ाकर 2600 मीटर करने के बाद उस पर बड़े विमान भी उतरने लगेंगे।

रनवे के विस्तार के लिए 140 एकड़ भूमि का किया जाएगा अधिग्रहण

रीवा एयरपोर्ट में 72 एटीआर विमान उतारने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मई 2025 में एयरपोर्ट का उद्घाटन किया था। अभी विस्तार के बाद एयरपोर्ट के रनवे की लंबाई 1800 मीटर है, लेकिन बड़े 320 सीटर विमान उतारने के लिए 2600 मीटर रनवे बनाया जाएगा। साथ ही रात्रि में विमान लैंडिंग करने व्यवस्था की जाएगी। रनवे का विस्तार करने और रात्रि लैंडिंग की सुविधा मुहैया कराने पर करीब 399 करोड़ रुपए की राशि खर्च होगी। इसके लिए कैबिनेट में प्रस्ताव लाकर ड्राफ्ट तैयार कर लिया गया है। रनवे के विस्तार के लिए 140 एकड़ भूमि का अधिग्रहण किया जाएगा।

मप्र, छग और उप्र को मिलेगा लाभ

सूत्रों ने बताया कि यदि रीवा एयरपोर्ट पर 320 सीटर एटीआर विमान उतरने लगेंगे, तो इसका फायदा विंध्य क्षेत्र ही नहीं, बल्कि रीवा से प्रयागराज आने-जाने वाले पर्यटकों को भी फायदा मिलेगा। चूंकि अभी प्रयागराज में एयरफोर्स का एयरपोर्ट है। वहां सीमित संख्या में भी विमान उतरते हैं। वाराणसी में जरूर बड़े विमान उतरते हैं, पर वहां भी कुछ असुविधा है। साथ ही रीवा से इलाहाबाद, वाराणसी, मिर्जापुर और सिंगरौली सहित छत्तीगढ़ के रायपुर आने-जाने की सुविधा लोगों को मिल सकेगी। जबकि रीवा से प्रयागराज, इलाहाबाद, मिर्जापुर और वाराणसी की दूरी 120 से लेकर 150 किमी है और विमान से सफर करने से समय की बचत होगी।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

HINDUSTAN TIMES DELHI 11 APRIL 2026

एयरपोर्ट पर नौकरी पाने का मौका

ग्रेटर नोएडा। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर 10वीं और 12वीं कक्षा पास युवाओं के लिए नौकरी का मौका है। एयरपोर्ट पर ग्राउंड हैंडलिंग के पदों पर 2442 से ज्यादा रिक्तियां निकाली गई हैं। इनमें लोडर, ग्राउंड स्टाफ के साथ कार्गो एग्जीक्यूटिव के पद शामिल हैं।

एयरपोर्ट ग्राउंड स्टाफ और कार्गो एग्जीक्यूटिव के लिए महिला और पुरुष दोनों आवेदन कर सकते हैं। फ्रेशर्स भी आवेदन के लिए पूरी तरह से योग्य होंगे। एयरपोर्ट लोडर के पद पुरुषों के लिए हैं। आवेदन के लिए किसी तरह का एविएशन, एयरलाइन सर्टिफिकेट या डिप्लोमा अनिवार्य नहीं है। ऊपरी उम्र में किसी भी कैटेगिरी के लिए कोई छूट नहीं दी गई है। उम्र सीमा की एक अप्रैल 2026 के आधार पर गणना होगी। इस भर्ती के लिए अभ्यर्थी ऑफिशियल वेबसाइट www.niasjewar.com पर आवेदन कर सकते हैं।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

RAJASTHAN PATRIKA JAIPUR 9 APRIL 2026

फैसला एयरलाइंस को 400 करोड़ की बचत

सरकार ने तीन महीने के लिए एयरपोर्ट शुल्क 25% घटाया

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

नई दिल्ली. केंद्र सरकार ने घरेलू एयरलाइंस को राहत देने के लिए बड़ा कदम उठाया है। डीजीसीए ने बुधवार को घोषणा की कि घरेलू उड़ानों के लिए विमान लैंडिंग और पार्किंग शुल्क में 25% की कटौती की जाएगी।

यह रियायत अगले तीन महीनों तक लागू रहेगी और इससे एयरलाइंस को करीब 400 करोड़ रुपये की बचत होने का अनुमान है। मंत्रालय के अनुसार, यह फैसला बढ़ती लागत के दबाव को कम करने के उद्देश्य से लिया गया है। पश्चिम एशिया संकट से फिलहाल एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) की ऊंची कीमतें, रुपए की कमजोरी और अंतरराष्ट्रीय मार्गों में व्यवधान के कारण एयरलाइंस की लागत लगातार बढ़ रही है।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE STATESMAN DELHI 11 APRIL 2026

Leh's KBRA set to become country's first green energy airport

STATESMAN NEWS SERVICE
Jammu, 10 April

The upcoming Kushok Bakula Rimpochee Airport in Leh is set to be the country's first to use the cutting-edge technology of geothermal energy for heating and cooling. A solar power system is also being installed at the Leh airport (3,500 metres), making it one of the world's highest airports.

Lieutenant Governor of the Union Territory of Ladakh, Vinai Kumar Saxena, visited the Kushok Bakula Rimpochee Airport to review the progress of the upcoming new terminal building, being constructed at an estimated cost of Rs 640 crore.

The Lieutenant Governor reviewed the facilities at the new terminal, including baggage carousels, waiting lounge, public amenities and parking space.

The Lieutenant Governor was informed that the state-of-the-art terminal, spread over approximately 19,000 square metres, is being developed as a three-level structure and will be completed in two phases.

Phase I includes the construction of 20 check-in counters, an inline baggage handling system (BHS), provision for a 700 kWp rooftop solar power system, two arrival carousels, 15 lifts and 12 escalators. In Phase II, the existing old terminal building will be demolished to facilitate the construction of an apron along with four additional aircraft bays and three aerobridges.

It was further informed that the addition of four new bays will significantly enhance operational capacity, enabling the airport to handle up to 54 flights per day, compared to the current 18 flights.

The new terminal building is designed to cater to 3.5 million passengers annually, with a peak-hour capacity of handling 2,000 passengers per hour (1,000 arrivals and 1,000 departures).

Highlighting the project's innovative features, officials stated that gradient floor heating using geothermal technology will be implemented on a large scale for the first time in the country. The project also integrates sustainable elements, such as solar rooftop systems to reduce carbon emissions.

It was informed that the completion timeline for the building has been revised, with the project now expected to be completed by August 2026.

During the inspection, the Lieutenant Governor emphasised that the new terminal would serve as a major catalyst in boosting tourist footfall in Ladakh, especially with the anticipated increase in flight operations.

He described the project as a dream initiative of Prime Minister Narendra Modi and directed officials to expedite the pace of work by deploying additional manpower and ensuring round-the-clock execution, with a target to complete the project by July 2026.

Saxena lauded the adoption of cutting-edge and eco-friendly technologies, particularly the use of geothermal energy for heating and cooling, as well as solar power systems.

He also appreciated the incorporation of locally inspired architectural elements, including prayer wheels, stupas and culturally themed departure and arrival gates, which would offer visitors an authentic glimpse of Ladakh's rich heritage upon arrival.

The Lieutenant Governor assured full support from the UT Administration for the early operationalisation of the new terminal building and the expansion of flight operations.

He noted that the enhanced infrastructure would play a pivotal role in positioning Ladakh as a leading tourist destination in the country, while also generating significant economic opportunities for local communities associated with the tourism sector.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE TIMES OF INDIA MUMBAI 10 APRIL 2026

Short circuit in cables sparks fire at city airport's Terminal 1, flight ops unaffected

Blaze Put Out In 3Hrs, No Casualty Was Reported

TIMES NEWS NETWORK

Mumbai: Fire broke out at Terminal 1 of the Chhatrapati Shivaji Maharaj International Airport (CSMIA) in Mumbai due to a short circuit in the electric power house at around 6.10pm on Thursday. The fire was extinguished in about three hours.

"The fire broke out due to a short circuit in heavy-duty cables and panels at the airport. The fire originated in the trays of heavy-duty cables and panels that supply power and was extinguished by 9.20pm. No fire related injuries were reported," said Ravindra Ambulgekar, chief fire officer of Mumbai Fire Brigade.

CSMIA spokesperson called it a minor fire, but airport sources claimed aero bridges 4-8 were closed as smoke had engulfed the whole area

CSMIA spokesperson confirmed that a minor fire was reported at Terminal 1 due to a short circuit at 18:10 hours, but stated that the fire was immediately brought under control by the emergency response teams within minutes and that airport operations were unaffected.

Airport sources, however, claimed that the incident occured near aerobridge A 7 baggage makeup area, and aero bridges four to eight were closed as smoke had engulfed the whole area and operations such as the DIGI yatra, CCTV cameras, and telecom network were affected. Security personnel started manual checking of the passengers to clear them for entry inside the terminal.

The Mumbai Fire Brigade and internal fire brigade of CSMIA were engaged in controlling the fire and the situation was brought under control. The fire was brought fully under control in about one hour. However, no flight delay was reported following the incident. Some took to social media and complained that there was a major system failure at Mumbai airport and that the security gates were locked while passengers and planes were kept waiting. According to the fire brigade, however, the fire was confined to ceiling level electric tray, electric wiring, electric cables, electric installations, electric panels etc. at ground floor electric power house of ground-plus-one-floored terminal structure.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

BUSINESS STANDARD DELHI 11 APRIL 2026

चंद्रशेखरन ने एयर इंडिया के कर्मियों से कहा ...

'चुनौतीपूर्ण दौर से गुजर रही है एयर इंडिया'

बीएस संवाददाता
नई दिल्ली, 10 अप्रैल

टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने आज एयर इंडिया के कर्मचारियों से कहा कि विमानन कंपनी चुनौतीपूर्ण दौर से गुजर रही है। लेकिन इसके साथ ही कंपनी का दीर्घकालिक बदलाव भी लगातार आगे बढ़ रहा है। इस बदलाव का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि विमान में पहली पंक्ति से लेकर आखिरी पंक्ति तक बैठे सभी यात्रियों को समान गरिमा मिले।

कर्मचारियों को यह संबोधन ऐसे समय आया है, जब एयर इंडिया नेतृत्व में बदलाव का सामना कर रही है। उसके मुख्य कार्य अधिकारी कैंपबेल विल्सन ने अप्रैल की शुरुआत में इस्तीफा दे दिया था। उन्होंने काम के लगातार दबाव, रखरखाव से जुड़ी चूकों के बाद बढ़ी हुई नियामकीय जांच के बीच इस्तीफा दिया था। जांच के कारण कंपनी को जुर्माने और सुधार के कदम उठाने पड़े। उनका इस्तीफा 28 फरवरी से शुरू हुए पश्चिम एशिया संघर्ष के कारण कामकाज में आई रुकावट के बीच आया था।

इस संघर्ष के कारण बड़े स्तर पर उड़ान मार्ग बदलने और रद्द करने पड़े हैं। इसमें इसे क्षेत्र के लिए लगभग 2,500 उड़ानें भी शामिल हैं। एयर इंडिया पश्चिम एशिया की अपनी सामान्य समय-सारणी का लगभग 30 प्रतिशत ही परिचालन कर पा रही है और यूरोप जाने वाली कई उड़ानों को अफ्रीका के जरिये लंबे दक्षिणी मार्गों पर डाल रही है, जिससे उड़ान का समय और ईंधन की खपत बढ़ रही है। एयर इंडिया समूह के मुख्यालय में कर्मचारियों के संबोधन और व्यापक नेतृत्व टीम से मुलाकात करते हुए चंद्रशेखरन ने कहा कि कर्मचारी कठिन परिस्थितियों में पहले ही दमखम दिखा चुके हैं। उन्होंने कहा, 'एयर इंडिया के कर्मचारियों ने एक समूचे तूफान से निपटने में बड़ी दृढ़ता दिखाई है और जो दृढ़ता दिखाई गई है, हमें उसी भावना के साथ आगे बढ़ना चाहिए।' उन्होंने प्रवर्तक समूह के जोरदार समर्थन को दोहराया और कहा, 'टाटा समूह एयर इंडिया समूह के प्रति वचनबद्ध है। निदेशक मंडल पूरी तरह से समर्थन कर रहा है और प्रबंधन टीम के साथ मिलकर काम करता रहेगा।' चंद्रशेखरन ने कहा कि विमानन कंपनी अपनी बदलाव की यात्रा में अहम पड़ाव पर पहुंच गई है। उन्होंने पिछले चार सालों में हुए ढांचागत और परिचालनगत बदलावों पर रोशनी डाली। उन्होंने कहा, 'ये चार साल जबरदस्त रहे हैं और एयर इंडिया समूह अपने बदलाव की यात्रा के अहम पड़ाव पर पहुंच चुका है। 17,000 से ज्यादा कर्मचारियों को नौकरी पर रखा गया है और उन्हें काम पर लगाया गया है, 4 विमानन कंपनियों को मिलाकर 2 बनाई गई हैं, मुख्य प्रणाली को आधुनिक बनाया जा रहा है। बेड़ा बढ़ रहा है। विमानों का बड़े स्तर पर नवीकरण किया जा रहा है। नेटवर्क और परिचालनगत पैमाना लगातार बेहतर हो रहा है जिसके परिणामस्वरूप ग्राहकों के अनुभव और नेट प्रमोटर स्कोर में साफ तौर पर सुधार हुआ है।'

> **ये 4 साल जबरदस्त रहे हैं और एयर इंडिया समूह अपने बदलाव की यात्रा के अहम पड़ाव पर पहुंच चुका है**
>
> **एन चंद्रशेखरन**
> चेयरमैन, टाटा संस

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

BUSINESS STANDARD DELHI 11 APRIL 2026

Air India operating through a challenging phase: Chandra

DEEPAK PATEL
New Delhi, 10 April

Tata Sons Chairman N Chandrasekaran told an Air India employee town-hall on Friday that the airline is operating through a challenging phase while its long-term transformation continues to advance, with a vision to ensure equal dignity for passengers in the first row and the last row of a flight.

The address comes at a time when Air India is dealing with leadership change after chief executive Campbell Wilson resigned in early April. It came amid sustained execution pressures, heightened regulatory scrutiny following maintenance-related lapses, and operational disruption from the West Asia war.

The conflict has forced large-scale rerouting and cancellations, including around 2,500 flights to the region, with Air India operating close to 30 per cent of its normal West Asia schedule. It shifted several Europe-bound services to longer southern routes via Africa, increasing flight times and fuel consumption.

Addressing employees at the Air India group headquarters and later meeting the broader leadership team, Chandrasekaran said the workforce had already demonstrated resilience in difficult conditions.

"Air Indians have shown great tenacity in dealing with a perfect storm, and we must continue with the same spirit that has been demonstrated," he said.

He reiterated strong backing from the promoter group, adding, "The Tata Group remains committed to Air India group. The board is fully supportive and will continue to work closely with the management team."

Chandrasekaran said the airline had reached a critical stage in its transformation journey, highlighting structural and operational changes underway over the past four years.

He added, "It has been an incredible four years, and Air India group has reached a critical stage of its transformation. Over 17,000 employees have been hired and onboarded, four airlines have been merged into two, core systems are being modernised, the fleet is expanding, aircraft are undergoing major refurbishment, and our network and operational metrics continue to improve, resulting in a clear improvement in customer experience and net promoter scores."

Reaffirming the long-term vision, he said the objective remains to create a globally-competitive airline rooted in service quality and consistency.

"We remain committed to building a world-class airline. Our vision is to connect India to the world, and to establish service standards where there is as much dignity and respect for the passenger in the last row as there is for the passenger in the front row," Chandrasekaran said.

On operations and priorities, Chandrasekaran mentioned safety as the most critical pillar. "Safety is of utmost importance for Air India. It is non-negotiable and sits at the centre of every decision we take across operations, engineering, training and customer experience," he said.

He also acknowledged the external environment and near-term pressures facing the airline industry. "While our future is bright and we have laid a solid foundation for our ambition, we are going through a challenging time, the impact of which is most visible in the airline industry."

He urged employees to remain focused on execution and financial discipline. "What matters now is staying focused on execution. Our focus should be on what is within our control, where we can improve, be precise on costs and remain grounded in the reality of the situation."

Rallying the troops

- Tata group remains committed to Air India
- Board is fully supportive and will continue to work closely with management
- Air India group has reached a critical stage of its transformation
- Asked employees to keep customer focus central and maintain collective momentum

Indian airlines to be most hit by Dubai curbs

REUTERS
New Delhi, 10 April

Dubai has restricted foreign airlines to just one daily flight to its airports until May 31 due to the Iran crisis, igniting revenue loss fears among Indian carriers that had planned more flights than airlines from any other country, letters show.

The Federation of Indian Airlines (FIA), which represents top carriers IndiGo, Air India and SpiceJet, has asked India to push Dubai authorities to lift the curbs and, failing that, to consider reciprocal measures on Dubai carriers including Emirates and flydubai, according to a letter it sent to the Indian government on March 31.

Indian carriers are already under financial pressure from higher fuel prices and longer routings to Western destinations as they have been banned from Pakistani airspace since last year, following military tensions between the two neighbours.

In a private email to airlines on March 27, seen by *Reuters*, Dubai Airports said carriers would be allowed one round trip per day to Dubai International Airport, the world's busiest international travel hub, and the smaller Al Maktoum International Airport between April 20 and May 31, extending restrictions. "Carriers continue to be limited to one rotation per day, until capacity allows more to be facilitated... Additional slots will be allocated if capacity is available," it said.

The FIA told the Indian government the curbs were not being applied to Dubai's airlines, creating an uneven playing field that could lead to "substantial" revenue losses.

Dubai Airports and Dubai's media office did not respond to repeated requests for comment.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

DECCAN HERALD BANGALORE 10 APRIL 2026

Bengaluru-bound AI flight suffers mid-air engine stall

MRITYUNJAY BOSE
MUMBAI, DHNS

An Air India flight from Mumbai to Bengaluru experienced an engine-related issue mid-air on Thursday, prompting the pilots to issue a "PAN PAN" call.

A PAN-PAN call is the international radio urgency signal used by aircraft, ships, or vehicles to declare a serious, time-sensitive situation that is not immediately life-threatening.

'MAYDAY' is the highest-level international radio distress signal used by pilots and sailors to signal life-threatening emergencies.

The 'PAN-PAN' signal was sent out following engine problems. Air India confirmed the incident involving flight AI-2812.

PAN-PAN call is the international radio urgency signal used by aircraft, ships, or vehicles to declare a serious, time-sensitive situation that is not immediately life-threatening

The problem in the flight was detected shortly after it took off from the Chhatrapati Shivaji Maharaj International Airport in Mumbai.

An alternate aircraft was arranged, after which it flew to Bengaluru.

"The flight from Mumbai to Bengaluru returned to Mumbai shortly after take-off as a precaution due to a suspected technical issue, in accordance with standard operating procedures. The aircraft landed safely and is undergoing detailed technical inspections in line with Air India's safety standards," an Air India spokesperson said.

"We regret the inconvenience caused to our passengers. Our Mumbai airport teams provided immediate assistance, and an alternative aircraft was arranged to operate the flight. The safety and well-being of our passengers and crew remain Air India's top priority," the spokesperson added.

The airline has not reported any injuries. Further investigation into the cause of the engine stall is underway.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE ECONOMIC TIMES DELHI 11 APRIL 2026

Tata Sons Committed to Air India: Chandra

Our Bureau

New Delhi: Tata Sons is steadfast in its commitment to Air India, chairman N Chandrasekaran told employees on Thursday, days after the airline's chief executive Campbell Wilson resigned. He said the salt-to-steel conglomerate will continue to back Air India as it transitions through the current difficult phase.

"The Tata Group remains committed to Air India group," Chandrasekaran said at a town hall at the airline's Gurugram headquarters. "The Board is fully supportive and will continue to work closely with the management team," he said, according to a transcript of the speech shared by the airline's spokesperson with **ET**.

BE FOCUSED

What matters now is staying focused on execution. Be precise on costs and remain grounded in the reality of the situation

N CHANDRASEKARAN
Chairman, Tata Sons

Wilson's departure has drawn attention to the challenges facing loss-making Air India, which the Tata Group reacquired from the Indian government in 2022 after decades of state ownership. The airline has since been integrating operations, expanding its fleet and competing against IndiGo, which dominates the Indian market with more than 60% share.

Chandrasekaran told the staff that the carrier is facing a "challenging time" and urged them to focus on cost discipline and execution. "What matters now is staying focused on execution," he said. "Be precise on costs and remain grounded in the reality of the situation."

Chandrasekaran listed progress made since the acquisition—hiring of over 17,000 employees, consolidation of four airlines into two, fleet expansion, and refurbishment, while pointing out that more work remained.

On safety, he termed it as "non-negotiable."

Air India competes on international routes with carriers such as Emirates, Qatar Airways, and Lufthansa, while facing pressure domestically from low-cost rivals. The airline has yet to turn profitable since the Tata acquisition.

The airline, like its peers, is battling challenging times as the Iran war has upended its international business. It is losing cash due to elevated jet fuel prices while being forced to fly longer routes due to airspace closures over Pakistan and the Gulf.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE ECONOMIC TIMES DELHI 11 APRIL 2026

Indian Airlines to be Hit Hardest as Dubai Limits Foreign Flights Until May 31

New Delhi: Dubai has restricted foreign airlines to just one daily flight to its airports until May 31 due to the Iran crisis, igniting revenue loss fears among Indian carriers that had planned more flights than airlines from any other country, letters show.

The Federation of Indian Airlines (FIA), which represents top carriers— IndiGo, Air India and SpiceJet— has asked India to push Dubai authorities to lift the curbs and, failing that, to consider reciprocal measures on Dubai carriers including Emirates and flydubai, according to a letter it sent to the Indian government on March 31.

Indian carriers are already under financial pressure from higher fuel prices and longer routings to Western destinations because they have been banned from using Pakistani airspace since last year following military tensions between the two neighbours.

In a private email to airlines on March 27, seen by Reuters, Dubai Airports said carriers would be allowed one round trip per day to Dubai International Airport (DXB), normally the world's busiest international travel hub, and the smaller Al Maktoum International Airport (DWC) during the summer season between April 20 and May 31, extending restrictions implemented after the war began.

"Carriers continue to be limited to one rotation per day, until capacity allows more to be facilitated ... Additional slots will be allocated if capacity is available," it said. **Reuters**

सीएमपीडीआई
cmpdi
सेन्ट्रल माईन प्लानिंग एण्ड डिजाई
Central Mine Planning & De
(A Subsidiary of Coal
Gondwana Place, Kanke Road, Ranchi
NOTICE

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE FINANCIAL EXPRESS DELHI 11 APRIL 2026

TATA GROUP CHAIRMAN TELLS EMPLOYEES TO 'TAKE CRITICISM OBJECTIVELY'

Stay focused: Chandra to Air India staff

AKBAR MERCHANT
Mumbai, April 10

TATA GROUP CHAIRMAN N Chandrasekaran has urged Air India employees to stay focused on execution, cost discipline as the airline navigates a turbulent phase.

Addressing staff at a town hall following the resignation of CEO and MD Campbell Wilson, Chandrasekaran acknowledged the sector's challenges while striking a note of resilience. "While our future is bright and we have laid a solid foundation for our ambition, we are going through a challenging time, the impact of which is most visible in the airline industry," he said.

"What matters now is staying focused on execution. Our focus should be on what is within our control, where we can improve, be precise on costs and remain grounded in the reality of the situation."

With Air India under scrutiny following operational disruptions, regulatory concerns and the Ahmedabad crash last year, he urged employees to remain composed.

"Take pride in what is being done, feel proud of yourself, don't get distracted. Criticism will always be there but take it objectively. Don't get upset; there is no progress without criticism. If the core message of the criticism is justified, fix it," he said. Reaffirming support, he added, "The Tata Group remains committed to Air India group. The Board is fully supportive and will continue to work closely with the management team."

Chandrasekaran described the past four years since Tata's reacquisition as transformative. "It has been an incredible four years, and Air India group has reached a critical stage of its transformation. Over 17,000 employees have been hired, our network and operational metrics continue to improve, resulting in a clear improvement in customer experience and Net Promoter Scores."

He stressed that safety remains paramount. "Safety is of utmost importance for Air India. It is non-negotiable and sits at the centre of every decision we take," he said. Reiterating the long-term vision, he added, "We remain committed to building a world-class airline... to establish service standards where there is as much dignity and respect for the passenger in the last row as there is for the passenger in the front row." Calling for unity and persistence, he concluded: "Work together, keep the customer in mind. The journey has just begun, and we have a long way to go. Keep at it. We will get there."

Campbell Wilson, appointed as Air India CEO in 2022, will continue until a successor is named. His exit comes amid heightened scrutiny after the June 2025 Ahmedabad crash and subsequent regulatory lapses. External disruptions, including Pakistan's airspace closure and the West Asia conflict have further strained operations of the airline, forcing rerouting and cancellations.

FLIGHT PATH CLEARED

- Tata Group chief acknowledged the sector's challenges while striking a note of resilience
- Airlines has been under lens following operational disruptions, regulatory concerns, Ahmedabad crash in June 2025
- He stressed that safety is paramount

N CHANDRASEKARAN, TATA GROUP CHAIRMAN

While our future is bright and we have laid a solid foundation, we are going through a challenging time

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE FINANCIAL EXPRESS DELHI 11 APRIL 2026

Swissport sharpens India focus as aviation, cargo demand accelerates

AKBAR MERCHANT
Mumbai, April 10

GLOBAL AVIATION SERVICES provider Swissport is sharpening its focus on India as part of a broader strategy to tap high-growth markets in both passenger handling and air cargo verticals.

The company, which operates at nearly 300 airports across 45 countries and employs around 65,000 people, sees India as central to its Asia-Pacific growth plans. "Asia-Pacific is a strategic priority for Swissport as the country stands out as a highly attractive growth market," said Dirk Goovaerts, CEO Continental Europe, Middle East, Africa, India & Global Cargo Chair at Swissport.

ROAD MAP

- India's appeal stems from strong structural drivers, including rising domestic air travel etc
- Firm expects cargo to be primary growth engine in India with rising demand for specialised services

- In cargo, the biggest opportunities lie in e-commerce, pharmaceuticals

The company already supports major Indian carriers, including Air India, Air India Express and IndiGo, across its global network spanning key international hubs such as New York, Frankfurt, Tokyo and Sydney. India's appeal stems from strong structural drivers, including rising domestic air travel and robust growth in cargo segments such as pharmaceuticals, e-commerce and perishables.

"Rapid growth in domestic demand for travel, combined with a strong position in pharmaceuticals and e-commerce, is driving the need for better ground handling and advanced cargo solutions," Goovaerts said.

Swissport expects cargo to be the primary growth engine in India, with increasing demand for specialised services such as temperature-controlled logistics, faster processing and end-to-end visibility. "In cargo, the biggest opportunities lie in e-commerce, pharmaceuticals, and perishables," he added.

While Swissport's direct footprint within India remains selective, the company said it is actively evaluating opportunities to expand its presence in line with market developments and regulatory conditions. Growth in regional airports and rising airline capacity are expected to create additional demand for ground

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE FINANCIAL EXPRESS DELHI 11 APRIL 2026

BINOD KUMAR, MANAGING DIRECTOR, INDIAN BANK

'We are targeting 12-13% CAGR growth over the next 3 years'

Over the next two-three years, Indian Bank expects business to grow at 12-13% with retail, agriculture and MSME its primary growth engines, Managing Director **Binod Kumar** *tells* **Narayanan V.** *Excerpts:*

The bank's business has grown 13% to ₹14.3 lakh crore in Q3FY26. What's your growth target for the next three years?

Although, we have guided for deposit growth of 8-10% and advances of 10-12%, we have been growing faster at 13-14%. We should grow at a compound 12-13% over the next three years. The retail, agriculture and MSME segment (RAM) will continue to be our primary growth engine, given the strong momentum in MSME lending. The RAM book, 66% of the loan portfolio, helps us diversify risk and fetches us better yields than corporate loans. It will be a focus area.

Is there any risk aversion towards corporate lending?

We are already doing a lot of infra spending and are seeing some green shoots in manufacturing. Our corporate credit growth has reached 7-8% from 1-2% earlier, despite us shedding some low-yielding assets. We are seeing good opportunities for green financing in areas like EVs, solar panels, battery storage, solar power plants. Going forward, we plan to maintain this ratio with approximately two-thirds RAM and one-third corporate. Within the corporate book, we are taking a calibrated exposure to mid-corporates where we see better yields without adding significant concentration risk.

The bank has crossed ₹5,000 crore in operating profit for the first time. How do you plan to sustain it?

Crossing ₹5,000 crore in operating profit in December quarter is a significant milestone for us. We are now pursuing a three-pronged approach. First, we are strengthening our CASA base, which serves as a source of low-cost funds. Second, we are focused on improving asset quality. Our net NPA ratio was already industry lowest at 0.15% as of December 2025. Third, fee income initiatives are being scaled up.

Low-cost deposit mobilisation is a challenge for the industry. How do you plan to tackle that?

It is a competitive market, but our strategy is to focus on granular, low-cost deposits rather than chase bulk money. Our CASA deposits grew 9.86% year-on-year in Q3 as we deepened customer engagement. For instance, our corporate salary account linkages brought in a good number of new accounts. To further manage costs, we are prioritising premium products and personalised services like the Virtual Banking Experience for tech-savvy users and Senior Konnect branches for the elderly. We have also overhauled our digital platforms, IndSMART and IndSMART Biz, to ensure a modern, seamless and enriched banking experience. These initiatives are driving stronger customer stickiness, improving deposit quality, and ultimately supporting CASA growth while effectively managing our cost of funds. Our CASA ratio in the December quarter was 39% and we plan to maintain it at these levels.

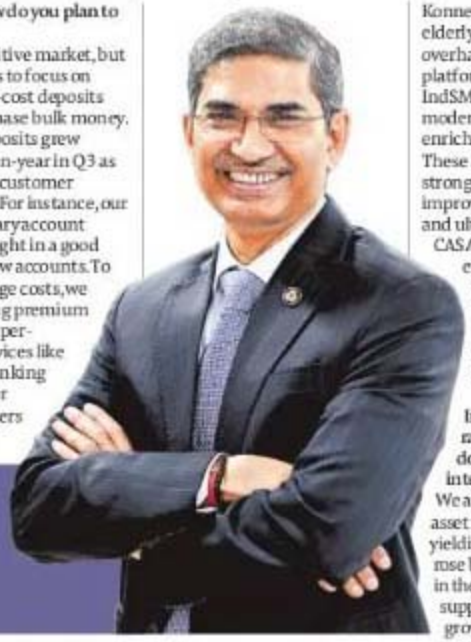

THE RETAIL, AGRICULTURE AND MSME SEGMENT WILL CONTINUE TO BE OUR PRIMARY GROWTH ENGINE, GIVEN THE STRONG MOMENTUM IN MSME LENDING

In a softening interest rate environment, how do you plan to protect net interest margins (NIM)?

We are strengthening our asset mix by growing higher yielding segments. Our NIM rose by 7.5% to ₹6,896 crore in the December quarter, supported by strong advance growth. Improved asset quality, with gross NPAs falling sharply to 2.23% from 3.26% a year earlier, further boosts risk-adjusted returns. On the liability side, deposits grew 12.62% to ₹7.90 lakh crore, helping us stabilise funding costs. Alongside this, we are accelerating fee-based income through digital transaction banking to diversify revenues. These levers together help preserve NIM even as rates soften. We can also diversify our borrowing sources to low-cost options. For instance, we raised around ₹10,000 crore in infrastructure bonds. We also raised ₹19,000 crore by selling InterBank Participation Certificates. We are exploring all these opportunities.

PSU banks are expected to close FY26 with a record ₹2-lakh-crore profit. What's driving this growth?

It is due to the better quality of underwriting. As noted in the Economic Survey 2025 26, gross non-performing assets at 2.2% (September 25) and net non-performing assets at 0.5% have fallen to multi-decadal and record lows, sharply reducing provisioning needs. Credit growth of 12% and deposit growth of 10% continue to strengthen core income, while capital adequacy above 14% and a provisioning coverage ratio above 92% reflect strong balance sheets. Consolidation has also improved efficiency, reducing the number of PSU banks from 27 to 12. These reforms, coupled with tighter regulatory oversight, have driven profits from ₹1.05 lakh crore in FY23 to ₹1.78 lakh crore in FY25, making the FY26 milestone well within reach. Near term profitability looks sustainable, though long-term stability will depend on preserving asset quality, managing margin pressures, and sustaining governance led reforms.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE FINANCIAL EXPRESS DELHI 11 APRIL 2026

Air India: Reset without results

CAMPBELL WILSON'S DECISION to step down as CEO of Air India brings into focus not just a leadership transition but the state of a turnaround that has, so far, delivered more in intent than in outcome. Nearly four years after the Tata Group reacquired the airline, the contours of a strategy are visible. What remains less clear is whether execution has kept pace with ambition.

There is little doubt that Wilson's tenure was designed as a structural reset. The airline placed one of the largest aircraft orders in aviation history, now close to 600 planes, signalling long-term intent to reclaim global market share. It consolidated four airline entities into a single operating structure, an essential step in reducing fragmentation. It initiated a brand overhaul, invested in digital systems, and began upgrading legacy aircraft and onboard product. In institutional terms, this marked a shift from a state-run entity to a private-sector operating model, with changes in leadership, processes, and culture.

These are not trivial achievements. They address deep-rooted issues that had accumulated over years of underinvestment. They also explain why the turnaround was always going to be capital-intensive and front-loaded in terms of costs. Aviation, by nature, has long gestation cycles. Fleet renewal, network expansion, and infrastructure creation do not yield immediate returns. To that extent, continued losses in the initial years are not unexpected.

Yet, the numbers now being reported suggest the gap between plan and performance has widened. Air India's losses are estimated to rise sharply in FY26, to around ₹20,000 crore or more—well above earlier internal expectations—and place it among the largest loss-making entities within the Tata portfolio. At a group level, losses across new ventures, including aviation and digital businesses, are estimated to approach ₹29,000 crore, sharpening the focus on capital allocation and execution discipline.

This is where the context of Wilson's exit intersects with a broader governance conversation within the Tata Group. Noel Tata, chairman of Tata Trusts, which hold roughly 66% of Tata Sons, has reportedly raised concerns over mounting losses in new ventures. The issue is not simply the scale of investment but the pace at which the investments translate into operational stability and financial visibility. Air India, by virtue of its size and visibility, sits at the centre of that debate.

RISHI RAJ
rishi.raj@expressindia.com

More importantly, the shortfall is not only financial. The more immediate and visible gap lies in customer experience. For all the structural changes underway, Air India has struggled to consistently improve service reliability and perception. Delays, inconsistent inflight experience, and uneven ground handling continue to surface with regularity. This matters because the Tata takeover had raised expectations of a sharp break from the airline's past under government ownership. That perception shift has, at best, been partial.

External factors have undoubtedly complicated execution. Supply-chain disruptions have delayed aircraft deliveries and retrofits. Fuel price volatility and airspace constraints have raised costs. The fatal crash of AI171 has added a layer of scrutiny that goes beyond routine operational challenges. But these headwinds do not fully explain the persistence of service inconsistencies, which are more closely tied to internal processes and execution bandwidth.

Wilson's own framing of his tenure—as a phase of building foundations—captures part of the reality. The airline today is structurally better positioned than it was in 2022. But a turnaround cannot rest indefinitely on foundations. The next phase must translate these investments into measurable gains in reliability, service, and financial performance. The question for Air India is no longer whether the strategy is sound. It is whether the organisation can deliver on it. Wilson leaves behind an airline with direction and scale, but one where outcomes remain contingent. The reset is visible. The turnaround is not yet.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

FREE PRESS JOURNAL MUMBAI 10 APRIL 2026

AI flight turns back after Pan-Pan call

FPJ News Service
MUMBAI

A Bengaluru-bound Air India flight returned to Mumbai's Chhatrapati Shivaji Maharaj International Airport on Thursday after an engine stall shortly after take-off.

Flight AI-2812 departed at 2.14pm, around nine minutes behind schedule, but suffered a technical malfunction in the right engine and returned to its origin, landing safely about 20 minutes later.

Passengers reported hearing unusual noise and seeing sparks during take-off. Following standard operating procedures, the pilot-in-command issued a PAN-PAN call and turned back. The call signals an urgent situation requiring priority handling, though not an immediate life-threatening emergency.

Air India said the aircraft returned as a precaution due to a suspected technical issue. It added that detailed inspections are underway in line with safety standards.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

FREE PRESS JOURNAL MUMBAI 10 APRIL 2026

UK Court orders SpiceJet to pay $8 million to lessor

IANS
NEW DELHI

A UK court has ordered SpiceJet to pay around $8 million to an aircraft engine lessor in a fresh blow to the cash-strapped carrier.

In a ruling on Thursday, London's Commercial Court granted summary judgment in favour of Sunbird France 02 SAS over unpaid rent and maintenance accruals linked to three aircraft engines. The court held that SpiceJet had no realistic prospect of defending the claim.

The dispute relates to unpaid engine lease rentals dating back to January 2022 and maintenance accruals from as early as November 2020. According to the judgment, the lessor issued default notices in July 2022 before repossessing all three engines between late 2022 and mid-2023.

The development adds to the mounting pressures on SpiceJet, which has been grappling with financial strain following the grounding of the Boeing 737 MAX fleet and the severe disruption caused by the Covid pandemic.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

HINDUSTAN TIMES DELHI 11 APRIL 2026

विदेशी एयरलाइंस की दुबई में पाबंदी से परेशानी बढ़ी

नई दिल्ली, विशेष संवाददाता। दुबई ने विदेशी विमानन कंपनियों की उड़ानों पर 31 मई तक सख्त पाबंदी लगा दी है। नए नियम के तहत अब हर विदेशी एयरलाइन को दुबई एयरपोर्ट पर रोजाना सिर्फ एक फ्लाइट की अनुमति होगी।

इस फैसले से भारतीय विमानन कंपनियों को राजस्व के लिहाज से नुकसान होगा और यात्रियों के लिए किराया भी बढ़ जाएगा। साथ ही भारत से दुबई के बीच संचालित होने वाली उड़ानों में करीब 90 फीसदी तक की गिरावट आएगी। फेडरेशन ऑफ इंडियन एयरलाइंस (एफआईए) ने भारत सरकार से इस मामले में हस्तक्षेप करने की मांग की है। फेडरेशन का कहना है कि अगर दुबई पाबंदी नहीं हटाता है तो भारत को भी दुबई की एयरलाइंस जैसे एमिरेट्स और फ्लाई दुबई पर समान कार्रवाई करने पर विचार करना चाहिए। ध्यान रहे कि एफआईए में इंडिगो, एयर इंडिया और स्पाइसजेट शामिल हैं।

■ 31 मई तक सिर्फ एक फ्लाइट के एयरपोर्ट पर आवागमन की सुविधा

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

HINDUSTAN TIMES MUMBAI 10 APRIL 2026

AI Mum-B'luru flight scare as engine stalls

Neha LM Tripathi
letters@hindustantimes.com

NEW DELHI: An Air India flight from Mumbai to Bengaluru returned shortly after take-off on Thursday after one of its engines stalled, prompting the pilots to issue a "PAN PAN" emergency call, officials familiar with the matter said.

The incident involved flight AI 2812, an Airbus A320 Neo, which was originally scheduled to depart Mumbai at 2:05 am.

The aircraft took off around 2:30 am but returned to the airport within minutes, the officials said. Passengers reported hearing a loud sound and seeing sparks during take-off. "There was a sound heard and sparks seen while take-off. The pilot declared PAN PAN and returned to the airport within minutes," said an official, requesting anonymity. "It was later found that engine 2 had stalled," the official added.

An Air India spokesperson, however, termed it a precautionary return. "Flight AI 2812 from Mumbai to Bengaluru on April 9 returned to Mumbai shortly after take-off as a precaution due to a suspected technical issue, in accordance with standard operating procedures. The aircraft landed safely and is undergoing detailed technical inspections," the spokesperson said.

The airline said passengers were provided assistance and an alternative aircraft was arranged. "We regret the inconvenience caused to our passengers. Our Mumbai airport teams provided immediate assistance, and an alternate aircraft was arranged to operate the flight," the spokesperson added.

The aircraft was grounded following the incident.

Passengers reported hearing a loud sound and seeing sparks during take-off. AP/FILE

WESTERN RAILWAY
OHE WORK
Deputy Chief Electrical Engineer (Construction), Churchgate, Mumbai-400020 invites **Tender No. EL-92-12-C-CCG-2025-26-04 Dtd: 06.04.2026. Name of Work:** "Design, Fabrication, Supply, Erection, Testing & Commissioning of 25KV single phase AC traction OHE in connection with 6th Line between Bandra Terminus to Mumbai Central & other leftover work in Mumbai Central - Borivali 6th line work of Mumbai division of Western Railway." **NIT Cost:** ₹ 9,64,52,456.00 **EMD:** ₹ 19,29,100/- **e-Bid Submission Closing on:** till 05.05.2026, 15.00 hrs. **e-Bid Opening Date:** on 05.05.2026 at 15.30 hrs. For further details please visit our website **www.ireps.gov.in** 1290
Like us on: facebook.com/WesternRly

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE HINDUSTAN TIMES DELHI 11 APRIL 2026

Chandrasekaran urges Air India to stay the course

Dipali Banka & Abhishek Law

dipali.banka@livemint.com

MUMBAI/NEW DELHI: Tata Sons chairman Natarajan Chandrasekaran urged Air India employees to focus on execution amid industry-wide challenges, breaking his silence on developments at the airline after chief executive officer Campbell Wilson's recent resignation.

"Our future is bright and we have laid a strong foundation for our ambitions, but we are going through a challenging period, the impact of which is most visible across the airline industry," Chandrasekaran reportedly told employees in a townhall at Air India's headquarters in Gurugram, Haryana, on Friday.

"What matters now is staying focused on execution. Our focus should be on what is within our control, where we can improve, be precise on costs, and remain grounded in the reality of the situation," the chairman said.

He reiterated that the Tata Group remains committed to Air India. "The Board is fully supportive and will continue to work closely with the management team," he said.

He reportedly said the airline has made significant progress over the past four years, since the Tata Group bought the carrier in January 2022.

This includes hiring over 17,000 employees, consolidating four airlines into two (Air India with Vistara and Air India Express with AirAsia India), modernizing the core systems, expanding the carrier's fleet size, as well as refurbishing its aircraft, Chandrasekaran said.

Tata Sons chairman Natarajan Chandrasekaran. MINT

Its operational metrics and network reach have improved, which is contributing to a better customer experience, he added.

However, pressures persist, the chairman said. Airlines globally, including in India, are grappling with supply-chain constraints, rising fuel costs, and operational challenges.

A war in the Gulf region—a key market that accounts for nearly half of Indian carriers' revenues, as per the country's civil aviation ministry—has further affected operations.

Air India did not respond to *Mint*'s queries on today's townhall and the date of Wilson's resignation.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE HINDU DELHI 11 APRIL 2026

British Airways ramps up services to India for summer

British Airways said it is expanding India-U.K. capacity, adding more than 7,000 weekly seats amid a 196% surge in searches and disruptions via Gulf hubs. The airline will operate up to 70 weekly India-London Heathrow flights. Bengaluru will get a second daily service, while Delhi and Mumbai will see third daily frequencies for an extended period. Hyderabad will see deployment of a larger Boeing 777 aircraft.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE INDIAN EXPRESS DELHI 11 APRIL 2026

Dubai limits flights till May 31, Indian airlines hardest hit

New Delhi: Dubai has restricted foreign airlines to just one daily flight to its airports until May 31 due to the Iran crisis, igniting revenue loss fears among Indian carriers that had planned more flights than airlines from any other country, letters show.

The Federation of Indian Airlines (FIA), which represents top carriers IndiGo, Air India and SpiceJet, has asked India to push Dubai authorities to lift the curbs and, failing that, to consider reciprocal measures on Dubai carriers including Emirates, according to a letter it sent to the Indian government on March 31.

REUTERS

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

MINT DELHI 11 APRIL 2026

Chandrasekaran urges Air India to stay the course

Dipali Banka & Abhishek Law
MUMBAI/NEW DELHI

Tata Sons chairman Natarajan Chandrasekaran has urged Air India employees to focus on execution amid industry-wide challenges, breaking his silence on developments at the airline after chief executive officer Campbell Wilson's recent resignation.

"Our future is bright and we have laid a strong foundation for our ambitions, but we are going through a challenging period, the impact of which is most visible across the airline industry," Chandrasekaran reportedly told employees in a townhall at Air India's headquarters in Gurugram, Haryana, on Friday.

"What matters now is staying focused on execution. Our focus should be on what is within our control, where we can improve, be precise on costs, and remain grounded in the reality of the situation," the chairman said.

Tata Sons chairman Natarajan Chandrasekaran. MINT

Chandrasekaran reiterated that the Tata Group remains committed to Air India.

"The Board is fully supportive and will continue to work closely with the management team," he said.

Chandrasekaran reportedly said the airline has made significant progress over the past four years, since the Tata Group bought the carrier in January 2022.

This includes hiring more than 17,000 employees, consolidating four airlines into two (Air India with Vistara and Air India Express with AirAsia India), modernizing the core systems, expanding the carrier's fleet size, as well as refurbishing its aircraft, Chandrasekaran said.

Its operational metrics and network reach have improved, which is contributing to a better customer experience, he added.

However, pressures persist, the chairman said. Airlines globally, including in India, are grappling with supply-chain constraints, rising fuel costs, and operational challenges.

A war in the Gulf region—a key market that accounts for nearly half of Indian carriers' revenues, as per the country's civil aviation ministry—has further affected operations.

Homegrown carriers, including Air India, Air India

TURN TO PAGE 13

Chandra urges Air India to stay the course

FROM PAGE 16

Express, IndiGo, Akasa Air and SpiceJet, were operating 350 daily flights to the Gulf before the US and Israel attacked Iran February end. Since then, homegrown carriers have been flying fewer than 100 flights.

Beyond the macroeconomic headwinds, Air India faces its own set of challenges.

The airline is scouting for a successor to Wilson, who decided to step down before his five-year tenure was to end in July 2027.

Air India, in a press release dated 7 April, said that its seven-member board has instituted a committee to look for a CEO. Until then, Wilson would continue to be with the airline.

Mint was the first to report Wilson's resignation late Monday.

He had put in his papers on 30 March, according to an executive with direct knowledge of the matter.

Air India did not respond to *Mint*'s queries on today's townhall and the date of Wilson's resignation.

Air India remains the largest loss-making entity within the Tata Group.

In FY25, its standalone revenue rose 13% to ₹61,080 crore, while losses narrowed to ₹3,976 crore from ₹5,031 crore a year earlier.

However, its low-cost arm Air India Express reported a widening loss of ₹5,822 crore, even as revenue rose 26% to ₹16,033 crore.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

NAVBHARAT TIMES DELHI 11 APRIL 2026

स्पाइसजेट ने 300 से अधिक स्टाफ को बिना वेतन छुट्टी पर भेजा

AI Image

Maneesh.Aggarwal
@timesofindia.com

■ **नई दिल्ली :** आर्थिक तंगी से जूझ रही स्पाइसजेट एयरलाइंस में स्टाफ को फरवरी और मार्च की सैलरी नहीं मिली है। अब एयरलाइंस ने 'फर्लो' स्कीम जारी कर दी है। इसके तहत 300 से अधिक स्टाफ को 'लीव-विदाउट-पे' यानी अस्थायी रूप से तीन से छह महीने के लिए बिना वेतन के छुट्टी पर भेज दिया है। इस बीच अगर जरूरत पड़ी तो इन्हें बुलाया जा सकता है।

इस कदम से एयरलाइंस में काम करने वाले करीब 6800 पायलट, एयर होस्टेस, इंजीनियरों समेत तमाम स्टाफ को नौकरी की चिंता सताने लगी है। मामले में पहले भी NBT ने पांच फरवरी को प्रकाशित अपनी खबर में बताया था कि स्पाइसजेट एयरलाइंस के अधिकतर स्टाफ को दिसंबर और जनवरी की सैलरी नहीं मिली है। फिर किसी तरह दिसंबर और कुछ को जनवरी की सैलरी दी गई। नाजुक होते हालातों की वजह से जनवरी में स्पाइसजेट ने देश-विदेश के पांच डेस्टिनेशन की उड़ानों को अस्थायी रूप से बंद कर दिया था। अब समर शेड्यूल में कुछ और उड़ानों को बंद किया जा सकता है। फिलहाल, एयरलाइन के बेड़े में 30 एयरक्राफ्ट है।

कुछ रूटों में भी कटौती कर सकती है कंपनी

इस बारे में स्पाइसजेट से बात की गई तो एयरलाइंस ने बताया कि वह पिछले कुछ महीनों से वर्तमान जियो-पॉलिटिकल स्थितियों और डिमांड पैटर्न का रिव्यू कर रही है। बढ़ती इनपुट लागतों को ध्यान में रखते हुए कुछ रूटों में अस्थायी कटौती का विचार है। कुछ कर्मचारियों को अस्थायी रूप से फर्लो पर रखा गया है। लेकिन जैसे-जैसे डिमांड बढ़ेगी इनको चरणबद्ध तरीके से वापस लाया जाएगा। एयरलाइन अक्टूबर से अपनी क्षमता में महत्वपूर्ण विस्तार करने की योजना भी बना रही है।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

NAVODAYA TIMES DELHI 11 APRIL 2026

वृद्धि | भारतीय व विदेशी एयरलाइंस ने बढ़ाया किराया

जेट फ्यूल की महंगाई से जल रही जेब

- घरेलू उड़ानों का किराया 199 से 899 तक बढ़ा
- अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के किराए में भी 26 हजार तक बढ़ोतरी

नई दिल्ली, 10 अप्रैल (नवोदय टाइम्स): ईरान और अमेरिका- इजराइल युद्ध का सीधा असर अब हवाई यात्रियों की जेब पर पड़ने लगा है। एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) की कीमतों में हुई करीब दोगुनी वृद्धि के बाद भारतीय एयरलाइंस ने फ्यूल सरचार्ज के नाम पर यात्री किराए में बढ़ोत्तरी कर दी है।

भारत में घरेलू उड़ानों पर दूरी के हिसाब से जहां 199 से लेकर 899 रुपये तक टिकटों की कीमतें बढ़ी हैं वहीं अंतर्राष्ट्रीय हवाई यात्रा 26000 रुपये तक महंगी हो गई है। जेट फ्यूल की बढ़ती कीमतों से विदेशी एयरलाइंस कंपनियां भी अछूती नहीं हैं।

कई एयरलाइंस ने जेट फ्यूल की बढ़ती कीमतों का हवाला देते हुए न सिर्फ टिकटों के दाम बढ़ा दिए हैं बल्कि कई रूट्स पर फ्यूल सरचार्ज भी लगा दिया है। कुछ (शेष पृष्ठ 9 कालम 3 पर)

- एयर एशिया: पूरे ग्रुप में 10 फीसद उड़ानों में कटौती। फ्यूल पर लगभग 20 फीसद सरचार्ज।
- एयर फ्रांस केएलएम: लंबी दूरी की उड़ानों के टिकटों पर प्रति राउंड ट्रिप 50 यूरो (लगभग 5000 रुपये) की बढ़ोतरी।
- अमेरिकन एयरलाइंस: घरेलू और छोटी दूरी की अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर पहले और दूसरे चेक किए गए बैग के लिए 10 डॉलर की बढ़ोतरी और तीसरे बैग के लिए 150 डॉलर की बढ़ोतरी की।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE STATESMAN DELHI 11 APRIL 2026

Air India undergoing 'challenging time', focus on execution, says N Chandrasekaran

AGENCIES
New Delhi, 10 April

Tata Sons chairman N. Chandrasekaran told Air India staff on Friday that the airline is facing a challenging period and urged employees to focus on execution and cost discipline.

"While our future is bright and we have laid a solid foundation for our ambition, we are going through a challenging time," Chandrasekaran said, adding that the key "is staying focused on execution."

"Our focus should be on what is within our control, where we can improve, be precise on costs and remain grounded in the reality of the situation," he added.

Chandrasekaran stressed that safety is of "utmost importance and non-negotiable" for Air India, central to decisions across operations, engineering, training and customer experience.

"Work together, keep the customer in mind. The journey has just begun, and we have a long way to go. Keep at it. We will get there," Chandrasekaran said. Chandrasekaran's comments come amid leadership and operational changes in airlines with Chief Executive Campbell Wilson announcing his intention to step down in 2026. The Tata-owned carrier informed that Campbell will stay in the role until his successor is in place.

Air India fell under intense regulatory scrutiny since the June 2025 crash of a Boeing 787 near Ahmedabad, which killed 260 individuals.

Subsequent reports said that Air India was reprimanded for safety lapses, including flying an aircraft multiple times without a valid airworthiness certificate and without proper emergency equipment checks.

Amid the US-Iran war, Air India had cancelled around 2,500 flights to West Asia over three weeks, only running 30 per cent of its normal Middle East schedule.

Pilot body Airlines Pilots' Association of India (ALPA) in March urged the Directorate General of Civil Aviation to initiate a thorough inquiry into the decision-making processes within Air India, particularly the roles of the Vice President - Operations and the Crew Scheduling Department.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE TELEGRAPH KOLKATA 10 APRIL 2026

UK court slaps $8m penalty on SpiceJet

New Delhi: A UK court has ordered SpiceJet to pay about $8 million to an aircraft engine lessor over unpaid rent and maintenance charges for three engines, in the latest setback for the cash-strapped airline.

London's Commercial Court granted summary judgment on Wednesday in favour of Sunbird France 02 SAS over the unpaid rent and maintenance accruals, finding that SpiceJet had no viable defence.

The ruling comes as SpiceJet remains under financial strain following the Boeing 737 MAX grounding and the Covid-19 pandemic.

The unpaid rent dates from January 2022, while maintenance accruals date back to November 2020. The lessor issued default notices in July 2022 and repossessed all three engines between late 2022 and mid-2023.

UNPAID DUES

SpiceJet initially hired British solicitors but never filed a defence or response to Sunbird's application, the judgment showed.

Its auditors have warned of uncertainty over the airline's ability to continue as a going concern, citing mounting losses and a gap between current liabilities and assets, according to its latest results.

Reuters

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE TIMES OF INDIA MUMBAI 10 APRIL 2026

AI flight returns soon after takeoff

New Delhi: An Air India Airbus A320 (VT-TNK) operating from Mumbai to Bengaluru on Thursday returned safely to the origin shortly after takeoff as one of its engines stalled. The pilots declared PAN PAN to seek a priority return to Mumbai. An Air India spokesperson said the flight AI2812 returned as a precaution due to a suspected technical issue, in accordance with SOPs. "The aircraft landed safely and is undergoing detailed technical inspections in line with AI's safety standards." TNN

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE TIMES OF INDIA DELHI 11 APRIL 2026

Chandra asks Air India staff to control costs, improve services

Mumbai: Tata Sons chairman N Chandrasekaran on Friday asked Air India employees to focus on cost control, improve services and "stay grounded" in the reality of the challenging situation, while reiterating the group's continued commitment to the airline.

Addressing an employee town hall at the Air India Group's headquarters in Gurugram, Chandrasekaran said, "While our future is bright and we have laid a solid foundation for our ambition, we are going through a challenging time, the impact of which is most visible in the airline industry."

Chandrasekaran reaffirmed that the Air India board remains "committed" to the carrier and will continue to work closely with its management team.

CHALLENGING TIME

"What matters now is staying focused on execution. Our focus should be on what is within our control, where we can improve...be precise on costs and remain grounded in the reality of the situation

—N Chandrasekaran, CHAIRMAN, TATA SONS

What matters now is staying focused on execution, he said, adding that "our focus should be on what is within our control, where we can improve, be precise on costs and remain grounded in the reality of the situation".

The town hall meeting came in the backdrop of Air India CEO and MD Campbell Wilson quitting the airline, much ahead of the completion of his service contract with the Tata Group airline.

Campbell, who announced his resignation on April 7, had a service contract of five years with the airline, which was supposed to end in July next year.

"The Tata Group remains committed to the Air India group. The board is fully supportive and will continue to work closely with the management team," Chandrasekaran said, reaffirming the group's backing of Air India.

Air Indians have shown great "tenacity" in dealing with a perfect storm, and "we must continue with the same spirit that has been demonstrated," he said. AGENCIES